कक्षा - नौवीं
विषय हिंदी

प्रस्तुतकर्ता
डॉ.सुनील बहल

लोकोक्तियाँ

1. अंत भले का भला (भला करने वाले का भला होता है) : सबके सुख-दुःख में काम आने वाले देवेन्द्र सिंह को जब अचानक चार लाख रुपये की आवश्यकता पड़ी तो उसके दफ्तर के सह-कर्मचारियों ने मिलकर चार लाख रुपये का प्रबंध कर दिया। सच है, अंत भले का भला।

2.अधजल गगरी छलकत जाए (कम गुण वाला व्यक्ति दिखावा बहुत करता है) : गोपाल बातें तो ऐसी करता है जैसे वह अंग्रेज़ी में बहुत माहिर है पर वास्तव में जब वह अंग्रेज़ी बोलता है तो अनेक गलतियाँ करता है। सच है, अधजल गगरी छलकत जाए।

3. अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेत (समय निकल जाने पर पछताने से क्या लाभ) : सारा साल तुम पढ़े नहीं और फेल हो गए। अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत।

4. आँखों देखी मक्खी नहीं निगलते (जान बूझकर कोई बुरा या हानिकारक काम नहीं करते) जब पता चल ही गया है कि तुम्हारा लड़का नशेड़ी है, तो अब यह शादी नहीं होगी, क्योंकि आँखों देखी मक्खी नहीं निगलते।

5. आँवले का खाया और बड़े का कहा बाद में सीख देता है (आँवाला खाने में कसैला और बड़ों की शिक्षा सुनने में कड़वी ज़रूर लगती है पर दोनों का फायदा भविष्य में पता चलता है) अभी तो तुम्हें अपने माता-पिता की बातें कड़वी लगती हैं किन्तु भविष्य में जाकर इनकी

बातों की कीमत पता चलेगी,क्योंकि आँवले का खाया और बड़े का कहा बाद में सीख देता है।

6.आम के आम गुठलियों के दाम (दुगुना लाभ): सतिंद्र सिंह नौकरी के लिए इंटरव्यू देने आगरा गया था और साथ ही ताजमहल भी देख आया। इसे कहते हैं - आम के आम गुठलियों के दाम।

7. आग लगने पर कुआँ खोदना (मुसीबत पड़ने पर ही प्रयत्नशील होना): सारा साल आवारागर्दी करते रहे अब परीक्षा सिर पर आ गई तो पढ़ना शुरू कर दिया। किसी ने सच ही कहा है, आग लगने पर कुआँ खोदना।

8. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया (सभी एक समान नहीं होते) शीला का बड़ा बेटा तो दसवीं की परीक्षा में पूरे ज़िले में प्रथम आया है किंतु छोटा बेटा आठवीं में फेल हो गया। सच है, ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।

9. ऊँची दुकान फीका पकवान (केवल ऊपरी दिखावा करना) : शहर के बीचों बीच एक बहुत बड़ी दुकान थी और उसके बाहर लिखा था-"यहाँ बढ़िया कपड़े मिलते हैं"।पर सारी दुकान देख ली और देखा कि सारा घटिया दर्जे का माल था। सच है, ऊँची दुकान फीका पकवान।

10. एक हाथ से ताली नहीं बजती (अकेला व्यक्ति झगड़े का कारण नहीं होता) देखो, तुमने भी कुछ ज़रूर कहा होगा तभी तो रामपाल ने तुमसे झगड़ा किया है- एक हाथ से ताली नहीं बजती।

11. एक बार भूले सो भूला कहाए, बार-बार भूले सो मूर्खानंद कहाए (एक बार गलती पर सावधान हो जाना चाहिए किंतु फिर वही गलती करना मूर्खता कहलाती है) देखो बेटा ! बार-बार तुम गलतियाँ करते

हो, यह कोई अच्छी बात नहीं, तुम्हें समझना होगा कि एक बार भूले सो भूला कहाये, बार-बार भूले सो मूर्खानंद कहाए।

12. कमली ओढ़ने से फकीर नहीं होता (ऊपरी दिखावा या ढोंग व्यर्थ है, उससे वास्तविकता नहीं आती) अतुल ऊपर-ऊपर से मीठा बोलता है किंतु मोहल्ले में सबसे मेरी चुगलियाँ करता है- सच है, कमली ओढ़ने से फकीर नहीं होता।

13. करे कोई भरे कोई (अपराध की सज़ा दूसरे को मिलना) दुकान में चोरी तो प्रीतम ने की किंतु सज़ा महेश को भुगतनी पड़ी, करे कोई भरे कोई।

14. खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे (अपमान का बदला दूसरों से लेना) : भैया को पिता जी ने डाँटा था, अब वह अपना गुस्सा मुझ पर निकालने लगा। किसी ने ठीक ही कहा है- खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे।

15.घर की मुर्गी दाल बराबर (सरलता से उपलब्ध का आदर नहीं होता) :अमन के पास दूर-दूर से विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं पर घर में उसका अपना बेटा गगनदीप उससे पढ़ता नहीं, सच ही है-घर की मुर्गी दाल बराबर ।

16. जान है तो जहान है (जीवित रहने पर ही संसार है) : इतने अधिक बीमार हो,पहले तंदरुस्त हो जाओ फिर अपने कारोबार को भी देख लेना, भई ! यह जान लो कि जान है तो जहान है।

17. जैसी करनी वैसी भरनी (जो जैसा करता है, उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है) : रिश्वत लेने वाले मंगतराम को आज सी.बी.आई. ने रंगे हाथ पकड़ लिया। सच है, जैसी करनी वैसी भरनी।

18. जाये की पीर माँ को होती है (जो जिस वस्तु को पैदा करता है, उसके नुकसान पर उसे जितना दुःख होता है, उतना किसी दूसरे को नहीं) : मैंने विज्ञान प्रदर्शनी के लिए मॉडल बनाया था किंत उसे लेकर जाते समय एकदम बारिश आई और वह खराब हो गया और तुम कहते हो कि चिंता न करो, तुम्हें नहीं पता कि जाये की पीर माँ को होती है।

19. जिसके घर में माई उसकी राम बनाई (जिसकी माँ जीवित है उसे किसी बात की दु:ख/चिंता नहीं) जब से मोहसिन की माँ का देहांत हुआ है , तब से सभी रिश्तेदारों ने भी उससे किनारा कर लिया, सच ही है-जिसके घर में माई उसकी राम बनाई।

20. न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी (कारण के नष्ट होने पर कार्य न होना): तुम सारा दिन सी.डी.लगाकर वीडियो गेम्स खेलते रहते हो, आज मैं इसे तुम्हारे दोस्त को वापिस कर आती हूँ। न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

.....

धन्यवाद

डॉ.सुनील बहल

एम.ए.(संस्कृत,हिंदी),एम.एड.,पीएच.डी (हिंदी)

.....